Vijay Kumar Jha.
Asso Prof
Deptt in History
V.S.J College Rajnagar

Degree part III
Paper – VII th.

Foreign policy of president Theodore Roosevelt

संयुक्त अमेरिका जब 20वीं सदी में प्रवेश किया तो उसके समक्ष कई आन्तरिक और बाह्य समस्यायें खड़ी थी। 1901 ई० में जब राष्ट्रपति पद का चुनाव हुआ तो रीपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार विलियम मेकिनले विजित हुये किन्तु दुर्भाग्यवश गद्दी पर बैठने के पहले ही उसे गोली मार दी गई। इस विषम परिस्थिति में 43 वर्षीय थियोडोर रुजवेल्ट जो उप राष्ट्रपति थे उन्हें ही राष्ट्रपति पद कि शपथ दिलायी गई। ये पूर्व में अनेक सैनिक और असैनिक पदों पर रहकर काम कर चुका था तथा काफी अनुभवी व्यक्ति था। यह राष्ट्र और जनता कि मांग को जानता था और जनता उनसे काफी आशायें बधीं थी। गद्दी पर बैठते ही अपने प्रथम सम्बोधन में कह जनहित कि रक्षा तथा पूंजीपति वर्ग को प्रश्रय नहीं देने का वचन दिया।

संयुक्त राज्य अमेरिका अपनी स्वतंत्रता के बाद से ही शानदार पृथकता कि नीति का सहारा लिया था किन्तु समय के बदलते प्रवाह में अमेरिका एक विश्वशक्ति बनकर उभर रहा था और अन्तरराष्ट्रीय रंगमंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज करना चाहा। अतः रुजवेल्ट ने शानदार पृथकता वादी नीति का परित्याग कर अन्तराष्ट्रीय रंगमंच पर अमेरिका कि हैसियत दिलाने का प्रयास किया। 1905 ई० में रुजवेल्ट रुस जापान युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका अदा किया, इधर मोरक्को के प्रश्न पर यूरोप के ~~सशस्त्र~~ सशस्त्र गुटों के मध्य संघर्ष के वातावरण को पूर्ण रूप से टालने में सफल हुआ।

(1) इंगलैण्ड से संबंध :— इंगलैण्ड के प्रति थियोडोर का व्यापक दृष्टिकोण था और दोनों राष्ट्रों को अब विश्व राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करनी थी अतः दोनों राष्ट्रों में मैत्री के कारण थे — (i) आंग्ल भाषा भाषी एवं प्रजातंत्र पर आधारित होना, (ii) जर्मनी कि बढ़ती हुई नाविक शक्ति से ब्रिटेन का भयभीत,

Sunday 30
JUNE 2019
Su Mo Tu We Th Fr Sa
30 1
2 3 4 5 6 7 8
9 10 11 12 13 14 15
16 17 18 19 20 21 22
23 24 25 26 27 28 29

Scanned with Can

(iii) अन्तर्राष्ट्रीय वाणिज्य में जर्मनी की आकांक्षायें, (iv) अमेरिका में मुक्त व्यापार की नीति के प्रति जर्मनी का विरोध, (v) अफ्रीका में उसकी साम्राज्य स्थापित करने की आकांक्षायें। उपर्युक्त कारणों से इंगलैण्ड एवं अमेरिका परस्पर सहयोग एवं मैत्रीकरण की ओर बढ़ा।

(2) संरक्षण एवं अधिकार की नीति :— कैरेबियन द्वीप समूह पर अपने अधिकार स्थापित करने के लिये इस क्षेत्र पर अमेरिकन संरक्षण स्थापित किया गया। इस संरक्षण में क्यूबा, पनामा, डोमिनीकन निकरागुआ और हैटी गणराज्य थे। ये पाँचों राज्य अमेरिका से की गई संधि से नियंत्रित होते थे। प्रत्येक राज्य के साथ अलग-अलग संधि किया गया था। अमेरिका को अधिकार दिया गया कि इन द्वीपों की रक्षा हेतु वहाँ की व्यवस्था में हस्तक्षेप कर सकता है। इन क्षेत्रों को अमेरिका अपना ही निजी क्षेत्र मानता था।

(3) पनामा नहर :— पनामा नहर अमेरिका के लिये अत्यन्त आवश्यक था तथा अमेरिका ने ग्रेट ब्रिटेन के साथ 1904 ई० में संधि किया फ्रांस के संधि करके उसका ठेका एक करोड़ डॉलर में लिया तथा 1905 ई० में कोलम्बिया के साथ संधि कर पनामा नहर की रचना कार्य प्रारम्भ कर दिया। इस नहर से पहला जहाज 1914 ई० में निकला।

(4) वेनेजुएला संघर्ष :— वेनेजुएला राज्य में जर्मनी, ब्रिटेन और इटली के हित टकराय रहे थे अतः तीनों राज्यों ने यहाँ नौ सेना भेजा जिसे थियोडोर ने गलत मानकर तीनों राज्यों को रोकथाम के लिये दबाव डाला। यूरोपीय देशों का तर्क था कि थियोडोर अगर चाहता है कि यूरोपीय शक्ति वेनेजुएला में हस्तक्षेप नहीं करे तो अमेरिका यहाँ के नागरिकों को धन एवं सद्व्यवहार से मदद करें। रूजवेल्ट ने इस तर्क को स्वीकार कर लिया और क्रियान्वित किया जो रूजवेल्ट सिद्धान्त के रूप में जाना जाता है। 1905 ई० में वहाँ एक अमेरिकी कलक्टर नियुक्त किया गया।

(5) रूजवेल्ट उप सिद्धान्त :— रूजवेल्ट के उप सिद्धान्त का पहला प्रयोग डोमिनिकन गणराज्य में किया गया। 1905 ई० में डोमिनिकन शासन की स्वीकृति से अमेरिका ने वहाँ के अर्थ सम्बन्धी व्यवस्था को अपने हाथ में ले लिया। इस गणराज्य पर विदेशी कर्ज बहुत था। अमेरिकी अधिकारी कर वसूल कर आधा

Scanned with Can

ऋण भुगतान कर देता था और बाकी रकम शासन पर
इससे डोमिनिकन गणतंत्र को फायदा पहुँचा।

⑥ जापान के साथ सम्बन्ध :- 1904 के रूस जापान युद्ध के समय संयुक्त राज्य ने जापान का साथ दिया था इस युद्ध के संधि के लिये अमेरिका को बीच में रखा गया और दोनों देशों के बीच 1905 ई० में पोर्ट्समाउथ कि संधि हुई। इस संधि से जापान को सम्पूर्ण कोरिया और दक्षिणी मंचूरिया पर अधिकार मिला। इस संधि के बाद जापान और अमेरिका का सम्बन्ध बिगड़ गया क्योंकि अमेरिका में जाति भेद कि भावना आ गई थी क्योंकि कैलिफोर्निया में भी जापान के प्रवासी रहते थे जिनके श्वेत-अश्वेत का व्यवहार किया जाता था रूजवेल्ट ने जापान कि इस संभावित खतरे को भांप गया और 1907 ई० में सतपुरुषों का समझौता किया।

⑦ कनाडा सीमा विवाद :- कनाडा और ग्रेट ब्रिटेन के मध्य सीमा विवाद चल रहा था। कनाडा के दावे को रूजवेल्ट ने अनुचित बताया उसने इस विवाद का निपटारा तीन अमेरिकी और तीन ब्रिटिश साम्राज्य के विशेषज्ञों द्वारा करवाना चाहा आयोग ने दो के विरुद्ध चार के बहुमत से अमेरिका के पक्ष में निर्णय दिया। ब्रिटेन ने अमेरिकी मित्रता के लिये कनाडा के हितों का बलिदान दे दिया।

इस प्रकार ज्यों-ज्यों वर्ष बीतते गये अमेरिका विश्व शक्ति के रूप में उभरता गया और यह स्पष्ट हो गया कि वह विश्व के तीन चार महान् शक्तियों में से एक हो। थियोडोर बहुत अंशों में इसका निर्माता था अगले राष्ट्रपति टाफ्ट को उसने एक प्रतिष्ठित और शक्ति पूर्ण अमेरिका विरासत में सौंपा। अमेरिका के समस्त राजनीतिक जीवन में नया उमंग ऊर्जा का संचार हो रहा था लेकिन दुर्भाग्यवश उसने स्वयं के प्रति न कि उद्देश्यों एवं नीतियों के प्रति जनता का आकर्षण प्राप्त किया। अन्तर्राष्ट्रीय जगत में अमेरिका कि कीर्ति शिखर पर थी उसे अब किसी भी बाहरी शक्ति से भय नहीं रह गया था अतः रूजवेल्ट ने अमेरिका को पृथकतावादी नीति से छुटकारा दिलाकर विश्व राजनीति में स्थान दिलाया।

JULY 2019

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

Scanned with Cam